मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

NIEPID और जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए DISHA पाठ्यक्रम पर किया CRE कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2026

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विद इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटीज (NIEPID), रीजनल सेंटर, नोएडा ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI), नई दिल्ली के सहयोग से 2 से 4 फरवरी 2026 तक एफटीके-सीआईटी कॉन्फ्रेंस हॉल, जेएमआई में NIEPID DISHA पाठ्यक्रम पर तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (CRE) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत से हुई, जिसका समन्वय छात्र वोलेंटीयर्स ने किया, इसके बाद श्री शकीलुर रहमान खान द्वारा पवित्र कुरान का पाठ और उसका अनुवाद किया गया, और जामिया तराना गाया गया। मेहमानों का औपचारिक स्वागत और सम्मान श्रीमती जयति मित्रा और डॉ. वसीम अहमद ने किया। श्रीमती जयति मित्रा, NIEPID RC, नोएडा ने स्वागत वक्तव्य दिया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का प्रतिनिधित्व करते हुए, डॉ. मोहम्मद फैजुल्ला खान, नोडल और शिकायत निवारण अधिकारी, विकलांग व्यक्तियों के लिए, जेएमआई ने सभा को संबोधित किया और शैक्षणिक और प्रशासनिक पहलों के माध्यम से समावेशी शिक्षा, पहुंच और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के प्रति विश्वविद्यालय की मजबूत प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च शिक्षा में समानता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों को बढ़ावा देने में जामिया की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र का एक मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली का संबोधन था, जिन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया और NIEPID जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के बीच संस्थागत सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की साझेदारी पुनर्वास सेवाओं, क्षमता निर्माण और समावेशी शैक्षणिक प्रथाओं को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने विकलांग व्यक्तियों की गरिमा, समावेशन और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने वाली नीतियों और कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए जामिया की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

श्रीमती जयति मित्रा ने NIEPID DISHA पाठ्यक्रम के बारे में भी विस्तार से बताया, जिसमें बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों के लिए कार्यात्मक और समावेशी शिक्षा को मजबूत करने में इसके उद्देश्यों और दायरे की रूपरेखा बताई गई।

उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. वसीम अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और हाई टी भी हुई।

CRE कार्यक्रम में विशेष शिक्षा के क्षेत्र से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। अलग-अलग राज्यों के शिक्षकों, टीचर ट्रेनी और प्रोफेशनल्स ने इसमें हिस्सा लिया। इस प्रोग्राम का मकसद अलग-अलग एजुकेशनल सेटिंग्स में NIEPID DISHA करिकुलम को लागू करने में उनकी काबिलियत को बढ़ाना था, जिससे पूरे देश में समावेशी शिक्षा के तरीकों को मज़बूत बनाने में मदद मिल सके।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी